



Legende

- Gemeindegrenzen
- Flurstücksgrenzen
- potenzielle Baustraßen und Zuwegungen zu Baustellen
- geplante Maßnahmen
- Planung bauzeitliche Maßnahmen
- Bestand Bahnlinie Augsburg-Ulm Strecke 5302 - nachrichtlich
- Bestand (Böschung Gewässer)

| | |
|----------------|---------------------------------|
| 5031/15 | Flurstücksnummer |
| 8823 m² | Gesamtfläche |
| 1,56 m² | zu erwerbende Fläche |
| 0,00 m² | Grunddienstbarkeit |
| 43,04 m² | bauzeitlich beanspruchte Fläche |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|----|
| 44102 | 44101 | 44103 | 44104 | 44105 | 44106 | 44107 | 44108 | 44109 | 44110 | 44111 | 44112 | 44113 | 44114 | 44115 | 44116 | 44117 | 44118 | 44119 | 44120 | 44121 | 44122 | 44123 | 44124 | 44125 | 44126 | 44127 | 44128 | 44129 | 44130 | 44131 | 44132 | 44133 | 44134 | 44135 | 44136 | 44137 | 44138 | 44139 | 44140 | 44141 | 44142 | 44143 | 44144 | 44145 | 44146 | 44147 | 44148 | 44149 | 44150 | 44151 | 44152 | 44153 | 44154 | 44155 | 44156 | 44157 | 44158 | 44159 | 44160 | 44161 | 44162 | 44163 | 44164 | 44165 | 44166 | 44167 | 44168 | 44169 | 44170 | 44171 | 44172 | 44173 | 44174 | 44175 | 44176 | 44177 | 44178 | 44179 | 44180 | 44181 | 44182 | 44183 | 44184 | 44185 | 44186 | 44187 | 44188 | 44189 | 44190 | 44191 | 44192 | 44193 | 44194 | 44195 | 44196 | 44197 | 44198 | 44199 | 44200 | 44201 | 44202 | 44203 | 44204 | 44205 | 44206 | 44207 | 44208 | 44209 | 44210 | 44211 | 44212 | 44213 | 44214 | 44215 | 44216 | 44217 | 44218 | 44219 | 44220 | 44221 | 44222 | 44223 | 44224 | 44225 | 44226 | 44227 | 44228 | 44229 | 44230 | 44231 | 44232 | 44233 | 44234 | 44235 | 44236 | 44237 | 44238 | 44239 | 44240 | 44241 | 44242 | 44243 | 44244 | 44245 | 44246 | 44247 | 44248 | 44249 | 44250 | 44251 | 44252 | 44253 | 44254 | 44255 | 44256 | 44257 | 44258 | 44259 | 44260 | 44261 | 44262 | 44263 | 44264 | 44265 | 44266 | 44267 | 44268 | 44269 | 44270 | 44271 | 44272 | 44273 | 44274 | 44275 | 44276 | 44277 | 44278 | 44279 | 44280 | 44281 | 44282 | 44283 | 44284 | 44285 | 44286 | 44287 | 44288 | 44289 | 44290 | 44291 | 44292 | 44293 | 44294 | 44295 | 44296 | 44297 | 44298 | 44299 | 44300 | 44301 | 44302 | 44303 | 44304 | 44305 | 44306 | 44307 | 44308 | 44309 | 44310 | 44311 | 44312 | 44313 | 44314 | 44315 | 44316 | 44317 | 44318 | 44319 | 44320 | 44321 | 44322 | 44323 | 44324 | 44325 | 44326 | 44327 | 44328 | 44329 | 44330 | 44331 | 44332 | 44333 | 44334 | 44335 | 44336 | 44337 | 44338 | 44339 | 44340 | 44341 | 44342 | 44343 | 44344 | 44345 | 44346 | 44347 | 44348 | 44349 | 44350 | 44351 | 44352 | 44353 | 44354 | 44355 | 44356 | 44357 | 44358 | 44359 | 44360 | 44361 | 44362 | 44363 | 44364 | 44365 | 44366 | 44367 | 44368 | 44369 | 44370 | 44371 | 44372 | 44373 | 44374 | 44375 | 44376 | 44377 | 44378 | 44379 | 44380 | 44381 | 44382 | 44383 | 44384 | 44385 | 44386 | 44387 | 44388 | 44389 | 44390 | 44391 | 44392 | 44393 | 44394 | 44395 | 44396 | 44397 | 44398 | 44399 | 44400 | 44401 | 44402 | 44403 | 44404 | 44405 | 44406 | 44407 | 44408 | 44409 | 44410 | 44411 | 44412 | 44413 | 44414 | 44415 | 44416 | 44417 | 44418 | 44419 | 44420 | 44421 | 44422 | 44423 | 44424 | 44425 | 44426 | 44427 | 44428 | 44429 | 44430 | 44431 | 44432 | 44433 | 44434 | 44435 | 44436 | 44437 | 44438 | 44439 | 44440 | 44441 | 44442 | 44443 | 44444 | 44445 | 44446 | 44447 | 44448 | 44449 | 44450 | 44451 | 44452 | 44453 | 44454 | 44455 | 44456 | 44457 | 44458 | 44459 | 44460 | 44461 | 44462 | 44463 | 44464 | 44465 | 44466 | 44467 | 44468 | 44469 | 44470 | 44471 | 44472 | 44473 | 44474 | 44475 | 44476 | 44477 | 44478 | 44479 | 44480 | 44481 | 44482 | 44483 | 44484 | 44485 | 44486 | 44487 | 44488 | 44489 | 44490 | 44491 | 44492 | 44493 | 44494 | 44495 | 44496 | 44497 | 44498 | 44499 | 44500 | 44501 | 44502 | 44503 | 44504 | 44505 | 44506 | 44507 | 44508 | 44509 | 44510 | 44511 | 44512 | 44513 | 44514 | 44515 | 44516 | 44517 | 44518 | 44519 | 44520 | 44521 | 44522 | 44523 | 44524 | 44525 | 44526 | 44527 | 44528 | 44529 | 44530 | 44531 | 44532 | 44533 | 44534 | 44535 | 44536 | 44537 | 44538 | 44539 | 44540 | 44541 | 44542 | 44543 | 44544 | 44545 | 44546 | 44547 | 44548 | 44549 | 44550 | 44551 | 44552 | 44553 | 44554 | 44555 | 44556 | 44557 | 44558 | 44559 | 44560 | 44561 | 44562 | 44563 | 44564 | 44565 | 44566 | 44567 | 44568 | 44569 | 44570 | 44571 | 44572 | 44573 | 44574 | 44575 | 44576 | 44577 | 44578 | 44579 | 44580 | 44581 | 44582 | 44583 | 44584 | 44585 | 44586 | 44587 | 44588 | 44589 | 44590 | 44591 | 44592 | 44593 | 44594 | 44595 | 44596 | 44597 | 44598 | 44599 | 44600 | 44601 | 44602 | 44603 | 44604 | 44605 | 44606 | 44607 | 44608 | 44609 | 44610 | 44611 | 44612 | 44613 | 44614 | 44615 | 44616 | 44617 | 44618 | 44619 | 44620 | 44621 | 44622 | 44623 | 44624 | 44625 | 44626 | 44627 | 44628 | 44629 | 44630 | 44631 | 44632 | 44633 | 44634 | 44635 | 44636 | 44637 | 44638 | 44639 | 44640 | 44641 | 44642 | 44643 | 44644 | 44645 | 44646 | 44647 | 44648 | 44649 | 44650 | 44651 | 44652 | 44653 | 44654 | 44655 | 44656 | 44657 | 44658 | 44659 | 44660 | 44661 | 44662 | 44663 | 44664 | 44665 | 44666 | 44667 | 44668 | 44669 | 44670 | 44671 | 44672 | 44673 | 44674 | 44675 | 44676 | 44677 | 44678 | 44679 | 44680 | 44681 | 44682 | 44683 | 44684 | 44685 | 44686 | 44687 | 44688 | 44689 | 44690 | 44691 | 44692 | 44693 | 44694 | 44695 | 44696 | 44697 | 44698 | 44699 | 44700 | 44701 | 44702 | 44703 | 44704 | 44705 | 44706 | 44707 | 44708 | 44709 | 44710 | 44711 | 44712 | 44713 | 44714 | 44715 | 44716 | 44717 | 44718 | 44719 | 44720 | 44721 | 44722 | 44723 | 44724 | 44725 | 44726 | 44727 | 44728 | 44729 | 44730 | 44731 | 44732 | 44733 | 44734 | 44735 | 44736 | 44737 | 44738 | 44739 | 44740 | 44741 | 44742 | 44743 | 44744 | 44745 | 44746 | 44747 | 44748 | 44749 | 44750 | 44751 | 44752 | 44753 | 44754 | 44755 | 44756 | 44757 | 44758 | 44759 | 44760 | 44761 | 44762 | 44763 | 44764 | 44765 | 44766 | 44767 | 44768 | 44769 | 44770 | 44771 | 44772 | 44773 | 44774 | 44775 | 44776 | 44777 | 44778 | 44779 | 44780 | 44781 | 44782 | 44783 | 44784 | 44785 | 44786 | 44787 | 44788 | 44789 | 44790 | 44791 | 44792 | 44793 | 44794 | 44795 | 44796 | 44797 | 44798 | 44799 | 44800 | 44801 | 44802 | 44803 | 44804 | 44805 | 44806 | 44807 | 44808 | 44809 | 44810 | 44811 | 44812 | 44813 | 44814 | 44815 | 44816 | 44817 | 44818 | 44819 | 44820 | 44821 | 44822 | 44823 | 44824 | 44825 | 44826 | 44827 | 44828 | 44829 | 44830 | 44831 | 44832 | 44833 | 44834 | 44835 | 44836 | 44837 | 44838 | 44839 | 44840 | 44841 | 44842 | 44843 | 44844 | 44845 | 44846 | 44847 | 44848 | 44849 | 44850 | 44851 | 44852 | 44853 | 44854 | 44855 | 44856 | 44857 | 44858 | 44859 | 44860 | 44861 | 44862 | 44863 | 44864 | 44865 | 44866 | 44867 | 44868 | 44869 | 44870 | 44871 | 44872 | 44873 | 44874 | 44875 | 44876 | 44877 | 44878 | 44879 | 44880 | 44881 | 44882 | 44883 | 44884 | 44885 | 44886 | 44887 | 44888 | 44889 | 44890 | 44891 | 44892 | 44893 | 44894 | 44895 | 44896 | 44897 | 44898 | 44899 | 44900 | 44901 | 44902 | 44903 | 44904 | 44905 | 44906 | 44907 | 44908 | 44909 | 44910 | 44911 | 44912 | 44913 | 44914 | 44915 | 44916 | 44917 | 44918 | 44919 | 44920 | 44921 | 44922 | 44923 | 44924 | 44925 | 44926 | 44927 | 44928 | 44929 | 44930 | 44931 | 44932 | 44933 | 44934 | 44935 | 44936 | 44937 | 44938 | 44939 | 44940 | 44941 | 44942 | 44943 | 44944 | 44945 | 44946 | 44947 | 44948 | 44949 | 44950 | 44951 | 44952 | 44953 | 44954 | 44955 | 44956 | 44957 | 44958 | 44959 | 44960 | 44961 | 44962 | 44963 | 44964 | 44965 | 44966 | 44967 | 44968 | 44969 | 44970 | 44971 | 44972 | 44973 | 44974 | 44975 | 44976 | 44977 | 44978 | 44979 | 44980 | 44981 | 44982 | 44983 | 44984 | 44985 | 44986 | 44987 | 44988 | 44989 | 44990 | 44991 | 44992 | 44993 | 44994 | 44995 | 44996 | 44997 | 44998 | 44999 | 45000 | 45001 | 45002 | 45003 | 45004 | 45005 | 45006 | 45007 | 45008 | 45009 | 45010 | 45011 | 45012 | 45013 | 45014 | 45015 | 45016 | 45017 | 45018 | 45019 | 45020 | 45021 | 45022 | 45023 | 45024 | 45025 | 45026 | 45027 | 45028 | 45029 | 45030 | 45031 | 45032 | 45033 | 45034 | 45035 | 45036 | 45037 | 45038 | 45039 | 45040 | 45041 | 45042 | 45043 | 45044 | 45045 | 45046 | 45047 | 45048 | 45049 | 45050 | 45051 | 45052 | 45053 | 45054 | 45055 | 45056 | 45057 | 45058 | 45059 | 45060 | 45061 | 45062 | 45063 | 45064 | 45065 | 45066 | 45067 | 45068 | 45069 | 45070 | 45071 | 45072 | 45073 | 45074 | 45075 | 45076 | 45077 | 45078 | 45079 | 45080 | 45081 | 45082 | 45083 | 45084 | 45085 | 45086 | 45087 | 45088 | 45089 | 45090 | 45091 | 45092 | 45093 | 45094 | 45095 | 45096 | 45097 | 45098 | 45099 | 45100 | 45101 | 45102 | 45103 | 45104 | 45105 | 45106 | 45107 | 45108 | 45109 | 45110 | 45111 | 45112 | 45113 | 45114 | 45115 | 45116 | 45117 | 45118 | 45119 | 45120 | 45121 | 45122 | 45123 | 45124 | 45125 | 45126 | 45127 | 45128 | 45129 | 45130 | 45131 | 45132 | 45133 | 45134 | 45135 | 45136 | 45137 | 45138 | 45139 | 45140 | 45141 | 45142 | 45143 | 45144 | 45145 | 45146 | 45147 | 45148 | 45149 | 45150 | 45151 | 45152 | 45153 | 45154 | 45155 | 45156 | 45157 | 45158 | 45159 | 45160 | 45161 | 45162 | 45163 | 45164 | 45165 | 45166 | 45167 | 45168 | 45169 | 45170 | 45171 | 45172 | 45173 | 45174 | 45175 | 45176 | 45177 | 45178 | 45179 | 45180 | 45181 | 45182 | 45183 | 45184 | 45185 | 45186 | 45187 | 45188 | 45189 | 45190 | 45191 | 45192 | 45193 | 45194 | 45195 | 45196 | 45197 | 45198 | 45199 | 45200 | 45201 | 45202 | 45203 | 45204 | 45205 | 45206 | 45207 | 45208 | 45209 | 45210 | 45211 | 45212 | 45213 | 45214 | 45215 | 45216 | 45217 | 45218 | 45219 | 45220 | 45221 | 45222 | 45223 | 45224 | 45225 | 45226 | 45227 | 45228 | 45229 | 45230 | 45231 | 45232 | 45233 | 45234 | 45235 | 45236 | 45237 | 45238 | 45239 | 45240 | 45241 | 45242 | 45243 | 45244 | 45245 | 45246 | 45247 | 45248 | 45249 | 45250 | 45251 | 45252 | 45253 | 45254 | 45255 | 45256 | 45257 | 45258 | 45259 | 45260 | 45261 | 45262 | 45263 | 45264 | 45265 | 45266 | 45267 | 45268 | 45269 | 45270 | 45271 | 45272 | 45273 | 45274 | 45275 | 45276 | 45277 | 45278 | 45279 | 45280 | 45281 | 45282 | 45283 | 45284 | 45285 | 45286 | 45287 | 45288 | 45289 | 45 |
|--------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|----|